

**Total Pages : 4**

**Roll No. -----**

**MMC-102/PGDMC-102/JMC-01/MJMC-101**

**History of Journalism and Contemporary Perspective**

**पत्रकारिता का इतिहास एवं समसामयिक परिप्रेक्ष्य**

**P.G. Diploma M.A. Journalism & Mass Communication**

**(PGDJMC/MAJMC-12/16/17/19)**

**1<sup>st</sup> Semester Examination June 2022**

**Time: 2 Hours**

**Max. Marks: 80**

**Note :** This paper is of Eighty (80) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

**Section – A / खण्ड –क**

(Long Answer – type questions) / (दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

**Note:** Section 'A' contains Five (05) long-answer-type questions of Twenty (20) marks each. Learners are required to answer any two (02) questions only.

[2 x 20 = 40]

P.T.O.

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Q.1. "It is idiocy to trace the origin of journalism in ancient Rome or India". Express your ideas on the statement.

“प्राचीन रोम” या भारत में पत्रकारिता का जन्म मानना मूर्खता है” अपने विचार व्यक्त कीजिए।

Q.2. How can we identify the beginning of Indian journalism? Substantiate your argument.

भारतीय पत्रकारिता की शुरुआत कब से मानी जा सकती है? ठोस वजह बताएं।

Q.3. Write an essay on the development of Indian journalism after independence.

आजाद भारत में पत्रकारिता के विकास पर विस्तृत टिप्पणी करें।

Q.4. What were the changes Indian journalism witnessed after emergency? Discuss.

आपातकाल के बाद भारतीय प्रिंट पत्रकारिता में क्या बदलाव देखे गए। चर्चा कीजिए।

P.T.O.

Q.5. Write a critical note on the role of first and second press commissions.

पहले और दूसरे प्रेस आयोगों की भूमिकाओं पर आलोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।

### Section – B / खण्ड – ख

(Short-answer-type questions) / लघु उत्तरों वाले प्रश्न

Note: Section 'B' contains Eight (08) short-answer-type questions of Ten (10) marks each. Learners are required to answer any Four (04) questions only.

[4 x 10 = 40]

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Q.1. Write a commentary on the struggle for the freedom of expression in the British India.

ब्रिटिश भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संघर्ष पर टिप्पणी कीजिए.

P.T.O.

- Q.2. Underline the contribution of Rajaram Mohan Roy for the struggle of freedom of expression in India.  
भारतीय प्रेस के विकास में राजाराम मोहनराय के योगदान की चर्चा करें।
- Q.3. Draw a comparison between the journalism of Gandhi and Ambedkar.  
गांधी और अंबेदकर की पत्रकारिता की तुलना करें।
- Q.4. Discuss the work of anyone important journalist after independence.  
आजादी के बाद के किसी महत्वपूर्ण पत्रकार के काम की चर्चा करें।
- Q.5. What changes have occurred in Indian journalism after 1991?  
1991 के बाद भारतीय पत्रकारिता में क्या बदलाव आए हैं?
- Q.6. Describe the importance of Press Council of India.  
भारतीय प्रेस काउंसिल की अहमियत पर प्रकाश डालें।
- Q.7. Write a comment on the history of journalism in Uttarakhand.  
उत्तराखण्ड में पत्रकारिता के इतिहास पर टिप्पणी कीजिए।
- Q.8. Write a review of a book on the history of journalism which you have read recently.  
हाल ही में पत्रकारिता के इतिहास पर पढ़ी किसी किताब की समीक्षा कीजिए।
-